तापमान
अधिकतम 33.2 डिग्री
न्यूनतम 21.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026

[सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड]

12 दिए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और योजनाओं...

12 14.89 करोड़ के देवगांव जलाशय लाइनिंग...

नवरात्रि विशेष

षष्ठम: कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में मर्हिष कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्हेंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने - अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुद्रर्शी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषसुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है।

शो-पीस बना लाखों का वाटर एटीएम, पीने के पानी के लिए तरस रहे राहगीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला मुख्यालय के मुख्य बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए लाखों रुपये की लागत से लगाया गया वाटर एटीएम पिछले कई सालों से खराब पड़ा है। अनदेखी के कारण यह मशीन अब केवल एक शो-पीस बनकर रह गई है। भीषण गर्मी हो या सामान्य दिन, बस स्टैंड पहुंचने वाले यात्रियों को पीने के पानी के लिए बोतलबंद पानी के लिए रकम चुकानी होती है।

सरकार ने यात्रियों को शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वाटर एटीएम की स्थापना की। शुरुआत में कुछ समय तक लोगों को इसका लाभ भी मिला, लेकिन तकनीकी खराबी आने के बाद इसे सुधारने की कोई कोशिश नहीं की गई।

देखरेख के अभाव में मशीन के कलपुर्जे खराब हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन ने पैसा तो खर्च कर दिया, लेकिन उसकी निरंतरता बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहा है। बस स्टैंड पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आना-जाना होता है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पानी की तलाश में बस स्टैंड से बाहर जाना पड़ता है। यात्रियों का कहना है कि जब सरकार ने लाखों रुपये खर्च कर मशीन लगाई थी, तो उसे चालू रखने की जिम्मेदारी भी विभाग की होनी चाहिए।

यात्रियों को पीने के पानी के लिए बोतलबंद पानी के लिए रकम चुकानी पड़ रही

दुकानों से पानी खरीदना मजबूरी

बस स्टैंड पर आने वाले राहगीरों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए पानी की समस्या एक बड़ा आर्थिक बोझ बन गई है। सरकारी नल और वाटर एटीएम बंद होने के कारण यात्रियों को मजबूरन दुकानों से 20 रुपये की पानी बोतल या पाउच खरीदना पड़ रहा है। जो गरीब यात्री पानी खरीदने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। बस स्टैंड पर प्याऊ की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

नए बस स्टैंड की मांग अधूरी

नगर पालिका अध्यक्ष निखिल मनोजकांत साहू ने शहर की बढ़ती आबादी और ट्रैफिक को देखते हुए कई बार नए बस स्टैंड की मांग शासन से की है। वर्तमान बस स्टैंड काफी पुराना हो चुका है और यहां सुविधाओं का भारी अभाव है। एक तरफ सरकार प्रदेश के शहरों को हाईटेक बनाने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ जिला मुख्यालय के मुख्य पड़ाव पर मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। नए बस स्टैंड का प्रस्ताव फाइलों में है और नगरवासियों को अब तक इसकी सौगात नहीं मिली।

समस्या : बिना नंबर के ट्रैक्टरों से रेत का हो रहा बेखौफ परिवहन

धूल और उड़ती रेत से लोग हलाकान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

बिना नंबर के ट्रैक्टर और ट्रालियों से रेत का परिवहन निर्बाध जारी है। इन ट्रैक्टरों को नाबालिगों द्वारा चालन किए जाने की शिकायत के साथ रेत भरने के बाद इन्हें तिरपाल से नही ढंकने की भी शिकायतें मिल रही है। वहीं तेज रफ्तार में असावधानीपूर्वक चालन होने से रेत उड़कर लोगों के आंखों में पड़ रही है जिससे दुर्घटना का अंदेशा है।

उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय के नजदीकी नदी और नालों से इन दिनों रेत का परिवहन बेतरतीब जारी है। सरकारी आवास और अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर नदी से रेत निकाली जा रही है और इस परिवहन में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। शहर और ग्रामीण रास्तों पर दौड़ रहे बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर और ट्रॉली में तिरपाल (कैप कवर) न होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों का सड़कों पर चलना परेशानी का सबब हो गया है।

शहर से लगे महानदी और अन्य सहायक नदियों व नालों के घाटों से प्रतिदिन ट्रैक्टर रेत लेकर गुजर रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इनमें से अधिकांश ट्रैक्टरों में नंबर प्लेट नहीं है। बिना नंबर के इन वाहनों के कारण किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर वाहन की पहचान करना लगभग असंभव है। ट्रॉलियों के ढंका न होने से सूखी रेत हवा में उड़कर पीछे चल रहे दोपहिया सवारों की आंखों में गिर रही है।

हेलमेट नहीं पहनने पर कार्रवाई बिना नंबर पर कोई एक्शन नहीं

उल्लेखनीय है कि अधिकतर ट्रैक्टर जिले के पुलिस और प्रशासनिक आला अफसरों के घरों के सामने से गुजरते हैं। आम जनों की मानें तो हेलमेट नही पहनने पर शहर में चालानी कार्रवाई हो रही है। वहीं पुलिस को इन बिना नंबरों के ट्रैक्टरों के खिलाफ की गई पिछली कार्रवाई और आगामी तैयारी का ब्यौरा देना चाहिए। लोगों की मांग है कि ट्रैक्टरों पर वैध नंबर प्लेट और तिरपाल लगाना अनिवार्य किया जाए और बिना नंबर के वाहनों पर जब्ती की कार्रवाई हो।

बाइक चालकों की बढ़ती मुसीबतें

कॉलेज छात्र दिनेश पटेल ने बताया है कि सुबह कॉलेज जाते समय रेत से भरे ट्रैक्टरों के पीछे चलना जोखिम भरा होता है। सड़क पर रेत की धूल उड़ने से बाइक फिसलने का भी डर बना रहता है। राजेश साहू ने बताया है कि वह रोजाना काम के सिलसिले में इस रास्ते से गुजरता है। ट्रैक्टरों में रेत ऊपर तक भरी होती है और वे इसे ढंकते भी नहीं हैं। जब भी कोई ट्रैक्टर सामने से गुजरता है, तो रेत सीधे आंखों में घुसती है। अमित ने कहा कि बिना नंबर के ट्रैक्टर तेज रफ्तार में चलते हैं। रेत आंख में पड़ने पर अगर कोई ट्रैक्टर चालक किसी को टक्कर मार दे, तो दुर्घटना कारित करने वाले बिना नंबर के वाहन का पता लगाना भी कठिन होगा।

गांजा तस्करी कर रहे दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। जिले की पुलिस ने गांजा की तस्करी कर रहे गुजरात के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 11,44,500 रुपए का 22.89 किलो गांजा बरामद किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। बसना पुलिस ने बताया कि पलसापाली बैरियर के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की ईको कार क्र जीजे 06 एचएल 3815 में दो व्यक्ति आये। पूछताछ में इन लोगों ने अपने नाम विजय सोलंकी पिता करसन भाई (44 साल) विश्वकर्मा सोसायटी विशाल नगर थाना बरासा जिला सूरत (गुजरात), रमेश खेराड़ा पिता पुरूषोत्तम खेराड़ा (43 साल) नानीमाल बापा सीताराम चौक थाना पालीयना जिला भाव नगर (गुजरात) होना बताया और वाहन में मादक पदार्थ गांजा होना बताते हुए उसे ओडिशा से गुजरात बिक्री के लिए ले जाने की जानकारी दी। पुलिस ने तलाशी के दौरान वाहन से कुल 22.89 किलोग्राम गांजा कुल कीमत 11,44,500 रुपए के अलावा कार कीमत 7,00,000, दो नग मोबाइल कुल कीमत 10000 रुपए को बरामद किया गया। मामले में आरोपियों के विरूद्ध नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी & inh 24x7 बढ़ते भारत की आवाज़
Presents
जिला संवाद 2026
छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर
जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाओं, विकास कार्यों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन
डॉ. हिमांशु द्विवेदी
प्रधान संपादक - हरिभूमि, आईएनएच
मा. श्याम बिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य मंत्री, छ.ग. शासन
श्री रामनरेश राय
महापौर
न.पा.नि. चिरमिरी
श्रीमती चंपा देवी पावले
जिला अध्यक्ष
भाजपा एमसीबी
श्रीमती प्रतिमा सरजू यादव
अध्यक्ष
न.पा.परि. मनेंद्रगढ़
श्रीमती यशवंती सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत एमसीबी
डॉ. विनय जायसवाल
पूर्व विधायक
मनेंद्रगढ़
श्री गुलाब कमरो
पूर्व विधायक
भरतपुर-सोनहत
श्री अशोक श्रीवास्तव
जिला अध्यक्ष
कांग्रेस कमेटी एमसीबी
श्रीमती पूनम सिंह
युवा महिला कांग्रेस नेत्री
एमसीबी
दिनांक: 24 मार्च 2026, मंगलवार, समय : शाम 05 बजे से
कार्यक्रम स्थल : तानसेन भवन, जीएम कॉम्पलेक्स, चिरमिरी, जिला-एमसीबी (छ.ग.)
इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर
के विकास को सुनिश्चित करेगी...
: सहयोग :
श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल मनेन्द्रगढ़
KRISHNA RIVERFRONT PRESENT BY
KRISHNA DEVELOPERS
डी राहुल वेंकट
कलेक्टर
एमसीबी
श्रीमती रत्ना सिंह
पुलिस अधीक्षक
एमसीबी
MP TATA PLAY 1155 | 366 | 229 | DEN 350 | ACN 172 | 367 | 359 | RCN 236 | RAJA CABLE 253 | ACN 227 | inh | जनता TV | CG TATA PLAY 1155 | 366 | 222 | DG 367 | 347 | 345 | 314 | BCC 326 | NST 1150 | VANDE MATRAM NETWORK 397 | 478 | NEXT DIGITAL 812
एवं सभी केबल नेटवर्क पर उपलब्ध

खबर संक्षेप

शहीद दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

महासमुंद। ग्राम खरोरा के शहीद स्मारक में भारत देश के अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पूर्व सैनिक संगठन एवं महाविद्यालयीन छात्र उपस्थित रहे। अध्यक्ष युवराज सिंह चंद्राकर ने कहा कि देश व प्रदेश में 23 मार्च को शहीदों को याद किया जाता है। कई संगठन अलग-अलग तरीकों से आज उन्हें नमन करते हैं। पूर्व सैनिक कन्हैया लाल सोनी ने शहीद भगत सिंह राजगुरु, सुखदेव अमर रहे के नारे लगाए।

श्रीराम टोली ने बाजे गाजे के साथ निकाली चुनरी यात्रा

महासमुंद। श्रीराम टोली परिवार द्वारा वार्ड क्र. 19 द्वारा नवरात्र महापर्व की पंचमी को चुनरी यात्रा बाजे गाजे के साथ निकाली गई। राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी के जिलाध्यक्ष एवं टोली के प्रभारी शरद मराठा ने बताया कि आज सुबह ब्रम्ह मुहूर्त में 5 बजे माता की 151 फीट चुनरी यात्रा पुरानी मंडी चौक से बाजे गाजे, भजन कीर्तन करते हुए निकाली गई, जो बग्गा स्टोर्स चौक, अंबेडकर चौक, विठोबा टाकीज चौक, नीलकंठ साकरकर चौक से महामाया मंदिर पहुंची। जहां मंदिर में माता की पूजा-अर्चना भजन कर फूल माला से चुनरी भेंट की गई। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने श्रीराम टोली परिवार को चुनरी यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से लेकर लगातार 2 वर्ष से सुबह प्रतिदिन श्रीराम भक्ति के साथ प्रभात फेरी निकाली जाती है, जो सराहनीय है।

रसोई गैस का अवैध कारोबार, 16 सिलेंडर बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रसोई गैस की किल्लत का फायदा उठाकर ब्लैक में बेचने के आरोप में खमतराई पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से 16 नग रसोई गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। जब्त रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 64 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी ने बल्क में रसोई गैस सिलेंडर की व्यवस्था कहां से की, पुलिस इस संबंध में पूछताछ करने की बात कह रही है।

रसोई गैस के अवैध भंडारण तथा बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने संजय साव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बंजारी मंदिर के पास छापा मारकर गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, संजय साव जरूरतमंदों को तीन से चार हजार रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रहा था।

जिनके पास सिलेंडर नहीं, उनसे मनमानी वसूली : जिनके पास रिफिल नहीं है, संजय उन लोगों को भी गैस सिलेंडर देता था। बदले में खाली गैस सिलेंडर के बदले तीन से चार हजार रुपए अलग से लेता था। खाली सिलेंडर वापस देने पर वह उन्हें अमानत की राशि वापस लौटाता था। संजय जरूरतमंदों को मनमानी कीमत पर रसोई गैस देने के साथ ही सिलेंडर से दो से तीन किलो गैस दूसरे सिलेंडर में ट्रांसफर कर अतिरिक्त कमाई करता था।

डी-लिस्टिंग की मांग को लेकर 700 से भी अधिक जनजाति समाजजन 24 मई को पहुंचेंगे दिल्ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जनजाति समाज द्वारा डी-लिस्टिंग की मांग को लेकर संपूर्ण भारत के 700 से भी अधिक जनजाति समाजजनों द्वारा जनजाति सांस्कृतिक समागम दिल्ली में 24 मई 2026 को आयोजित होने वाले महारैली में शामिल होंगे।

प्रेसवार्ता में जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि जनजाति सुरक्षा मंच छत्तीसगढ़ प्रांत भी धर्मांतरित व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर किया जाए ऐसा मांग करती हैं। क्योंकि, 24अ कंडिका 2 में निहित किसी बात के होते हुए भी व्यक्ति जिसने जनजाति आदि मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया हो वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाएगा। संयुक्त संसदीय समिति 10 जुलाई 1967 की सिफारिश अनुच्छेद 341 के अंतर्गत अनुसूचित जाति की परिभाषा की गई है और अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति की परिभाषा की गई।

यह उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 341 में अनुसूचित जाति को परिभाषित करते हुए यह प्रावधान किया गया है कि अगर अनुसूचित जाति व्यक्ति हिंदू धर्म को छोड़ अन्य धर्म को मानता है, वह स्वतः अनुसूचित जाति से बाहर हो जाएगा। ठीक उसी प्रकार अनुच्छेद 342 में भी वही प्रावधान लागू करने की मांग को लेकर दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चलो दिल्ली कार्यक्रम के अंतर्गत अभी तक प्रांत के निर्देशानुसार विकासखंड की कार्यशाला आयोजित कर ग्रामों में बैठक करने की योजना है। जहां प्रमुख जनों से मुलाकात एवं बैठक कर दिल्ली चलो के बारे में बताएंगे। सभी जाने वाले जनजाति बांधों का रिजर्वेशन होगा। एक विशेष ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है। इसमें अपने जिले के अंतर्गत पांचो विकासखंड में निवासरत अपने जनजाति समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधि जो आरक्षण के आधार पर सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, निर्वाचित हुए हैं उन सभी से मुलाकात कर उनसे भी आग्रह किया जा रहा है। अपने निर्वाचन क्षेत्र से अधिक से अधिक जनजाति समाज के बंधु भगिनियों को दिल्ली जाने के लिए तैयार करें। साथ ही सामाजिक संगठनों से भी संपर्क और उनसे संवाद करके डी लिस्टिंग के बारे में जानकारी प्रदाय किया जा रहा है।

प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से प्रीतम सिंह दीवान संरक्षक जनजाति सुरक्षा मंच जिला महासमुन्द, रामायण सिंह ध्रुव, धरम सिंह दीवान, भीखम सिंह ठाकुर, दिशा रामस्वरूप दीवान, चंद्रशेखर ध्रुव जिला संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच जिला महासमुंद, चेतन ठाकुर, कृष्ण कुमार ध्रुव, संतोष ध्रुव, हनी गंभीर, हेमसागर बरिहा, गिरधर दीवान आदि मौजूद रहे।

चोरी के डेढ़ साल पुराने मामले में आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। कलेक्टर कार्यालय में एक वाहन का शीशा तोड़कर 3 लाख रुपए की चोरी के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने डेढ़ साल बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 14.11.2024 को द्रोण कुमार चंद्राकर पिता स्व. नंदकुमार चंद्राकर निवासी बावनकेरा के कलेक्ट्रेट परिसर में खड़ी वाहन का शीशा तोड़कर अज्ञात चोर ने डिक्की में रखे 03 लाख रुपए को चोरी कर लिए थे। मामले में पुलिस अपराध क्रमांक 546/2024 धारा 303(2) बीएनएस कायम कर आरोपी की तलाश कर रही थी। घटना के एक साल चार माह बाद 22 मार्च को मुखबीर से सूचना मिली कि उक्त प्रकरण के सीसीटीवी फुटेज मे कैप्चर संदिग्ध आरोपी से मिलता जुलता व्यक्ति रेलवे स्टेशन महासमुंद के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। सूचना मिलने ही महासमुंद थाने के पुलिस स्टॉफ मौके पर घेराबंदी कर उक्त संदिग्ध को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया। संदिग्ध व्यक्ति ने अपना नाम आकाश प्रधान पिता शंकर प्रधान (23 साल), निवासी ग्राम दसनिया थाना जोखापुरा, जिला जाजपुर ओडिशा का रहने वाला बताया। संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने पर कब्जे से 500 रुपए का 400 नग नोट कुल 2 लाख रुपए बरामद के गया। संहेदी से सख्ती से पूछताछ करने पर सने वर्ष 2024 में कलेक्ट्रेट परिसर समाज कल्याण विभाग के सामने महासमुंद से कार का शीशा तोड़कर डिक्की में रखे 03 लाख रुपए को चोरी करने की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

चारों दिशाओं से निकली रथयात्राओं का गढ़फुलझर में किया स्वागत

रणेश्वर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

गढ़फुलझर में नवनिर्मित रणेश्वर मंदिर की बहुप्रतीक्षित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत वातावरण निर्मित हो गया है। 23 मार्च से प्रारंभ होकर 27 मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व चारों दिशाओं से निकली चार भव्य रथ यात्राओं ने जनमानस को भाव-विभोर कर दिया। बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज के अध्यक्ष गिरधारी साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इन रथ यात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गांव-गांव से उमड़ी आस्था की यह धारा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण बन गई।

मीडिया प्रभारी, प्रवक्ता कमलेश साहू ने बताया कि पूर्व दिशा से निकली पूजा रथ यात्रा सरायपाली के नई मंडी प्रांगण से आंचलिक अध्यक्ष प्रदीप साहू के नेतृत्व में प्रारंभ हुई। यह रथ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड, घटेश्वरी मंदिर होते हुए तोरेसिंहा, गोहेरापाली और तोषगांव से गुजरती हुई गढ़फुलझर पहुंची। पश्चिम दिशा से निकली ध्वजा रथ यात्रा ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया।

पिथौरा के थानेश्वर मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा का नेतृत्व पिथौरा आंचलिक अध्यक्ष षड़ानन भोई और रायपुर आंचलिक अध्यक्ष राधेश्याम प्रधान ने किया। बल्दीडीह, सांकरा, साल्हेतराई और बसना होते हुए गढ़फुलझर पहुंची इस यात्रा में उज्जैन से लाया गया पवित्र ध्वज तथा कपासीरा से लाया गया शिखर कलश शामिल रहा। 12 ज्योतिर्लिंगों की आकर्षक झांकी से सुसज्जित रथ ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। उत्तर दिशा से तीसरी रथ यात्रा बसना क्षेत्र के ग्राम बम्हनी से आंचलिक अध्यक्ष भोजराज प्रधान के नेतृत्व में निकली, जिसमें रणेश्वर भगवान की मूर्ति श्रद्धापूर्वक लाई गई। यह यात्रा पथरला, झगरेनडीह, जीराडबरी होते हुए गढ़फुलझर पहुंची। यहां विशेष बात यह रही कि भगवान की यह दिव्य मूर्ति नर्मदेश्वर, जबलपुर से लाई गई है, जिससे आयोजन का धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। दक्षिण दिशा से निकली कलश रथ यात्रा ने इस आयोजन को पवित्रता की नई ऊंचाई प्रदान की। कुल कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण भोई के नेतृत्व में यह यात्रा पवित्र तीर्थ स्थल नरसिंहनाथ, गंधमार्दन पर्वत से निकली, जहां से झरने का निर्मल जल कलश में भरकर लाया गया। बैदपाली, झारबंद और लउड़ीदरहा से होते हुए यह यात्रा गढ़फुलझर पहुंची। चारों दिशाओं से पहुंची रथ यात्राओं का प्राण प्रतिष्ठा स्थल पर भव्य स्वागत किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार से होगा अनुष्ठान

पूरे वातावरण में भक्ति संगीत, जयघोष और उत्सव का संगम देखने को मिला। 23 मार्च को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव विधिवत पूजा-अर्चना एवं कलश स्थापना के साथ आरंभ हुआ, जो 27 मार्च तक चलेगा। जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठान एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है।

कांग्रेस की बूथ, पंचायत तथा वार्ड कमेटी के गठन की प्रक्रिया तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला कांग्रेस कमेटी महासमुंद (डीसीसी) की बैठक संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए आयोजित की गई थी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, प्रदेश भर में बूथ, पंचायत और वार्ड कमेटियों का गठन होना है। इसी क्रम में महासमुंद जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव ने बूथ, पंचायत और वार्ड कमेटियों के गठन की प्रक्रिया तेज करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आहूत कर ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों तथा प्रमुख नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में कमेटी गठन के निर्देश दिए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इन कमेटियों के गठन की निगरानी के लिए जिलावार प्रभारी नेताओं की नियुक्ति की है। जिस पर महासमुंद के लिए नियुक्त प्रभारी हितेंद्र ठाकुर (पूर्व जिलाध्यक्ष बलौदाबाजार) भी बैठक में मौजूद थे। अभी 2 दिन पूर्व ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज स्वयं महासमुंद जिले के 2 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में जाकर इन कमेटियों के गठन की समीक्षा की है। जिला प्रभारी हितेंद्र ठाकुर ने कहा की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशों पर संगठन सृजन अभियान के तहत इन गतिविधियों की समीक्षा की जा रही है। इसका उद्देश्य संगठन को और अधिक सक्रिय और मजबूत बनाना है। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशों को बताते हुए प्रभारी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस का स्पष्ट निर्देश है की बूथ, पंचायत तथा वार्डो में जाकर सर्वसम्मति से ही कमेटी का गठन करना है तथा इस निर्देश का ईमानदारी से पालन करना आवश्यक है। वहीं पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कमेटी के गठन की प्रक्रिया गंभीरता के साथ करना है, यह कमेटी ही चुनाव में कांग्रेस को विजयी बनाएगी। प्रदेश कांग्रेस के इस निर्देश का पालन करते हुए मुझे जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव जो भी जिम्मेदारी देंगे मैं उसे पूरा करूंगा।

बैठक का संचालन खिलावन बघेल ने तथा आभार प्रदर्शन शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव, जिला प्रभारी हितेंद्र ठाकुर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल जैन, ब्लॉक अध्यक्ष खेमराज सिंहा, देवनाथ साहू, अन्नु चंद्राकर, करण दिवान, दाऊलाल चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष खिलावन बघेल, मंडल अध्यक्ष अमर चंद्राकर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनम बंसोड, दिव्येश चंद्राकर, जसबीर ढिल्लों, पार्षद मुस्ताक खान विक्की, ढेलू निषाद, मिन्दर चावला, गोपी तारक, अमन चंद्राकर, जयश्री दास, वीरेन्द्र चंद्राकर, मण्डल अध्यक्ष सचिन गायकवाड, सुनील चंद्राकर, हार्दिक सोना, डॉ एजाज नकवी, जावेद चौहान, शकील खान, राजू साहू, बसंत चंद्राकर, तुलसी साहू, टोमन सिंह कागजी, मनोहर ठाकुर, महेंद्र साहू, हर्षित चंद्राकर, इमरान कुरेशी, दिनेश दुबे, संतोष धीवर, राजेश सिंहा, राजा सोनी, जावेद जाफरी, छन्नू साहू, प्रशुन चंद्राकर, तुलसी देवदास, आशीष दीवान, अंजोर ठाकुर, सविता ठाकुर, एडिशन ठाकुर, आकाश चंद्राकर, दुर्गेश यादव, सेवाराम साहू उपस्थित थे।

शहीद दिवस पर कांग्रेस भवन में अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

महासमुंद। अमर शहीदों की 95वीं शहादत वर्षगांठ पर कांग्रेस भवन महासमुंद में श्रृद्धांजलि देते हुए जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव ने कहा कि 23 मार्च 1931 को भारत माता के वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनके विचार आज भी हर भारतीय के दिल में देशभक्ति की लौ जलाते हैं। ऐसे वीरो के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे महान क्रांतिकारियों को कांग्रेस भवन में श्रृद्धांजलि अर्पित की गयी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला ने कहा कि ये आजादी के परवाने थे, हंसते-हंसते अपने जीवन का बलिदान दे दिया। वो चाहते तो अंग्रेजो से माफी मांग सकते थे। मगर, माफी की जगह उन्होंने खुद्दारी को चुना, ऐसे वीरो को मेरा सलाम है। श्रृद्धांजलि अर्पित करने वालो में जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव, जिला प्रभारी हितेंद्र ठाकुर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल जैन, ब्लॉक अध्यक्ष खेमराज सिंहा, देवनाथ साहू, अन्नु चंद्राकर, करण दिवान, दाऊलाल चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष खिलावन बघेल, मंडल अध्यक्ष अमर चंद्राकर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनम बंसोड, दिव्येश चंद्राकर, जसबीर ढिल्लो, पार्षद मुस्ताक खान विक्की, ढेलू निषाद, मिन्दर चावला, गोपी तारक, अमन चंद्राकर, जयश्री दास, वीरेन्द्र चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष सचिन गायकवाड, सुनील चंद्राकर, हार्दिक सोना, डॉ एजाज नकवी, जावेद चौहान, शकील खान, राजू साहू, बसंत चंद्राकर, तुलसी साहू, टोमन सिंह कागजी, मनोहर ठाकुर, महेंद्र साहू, हर्षित चंद्राकर, इमरान कुरेशी, दिनेश दुबे, संतोष धीवर, राजेश सिंहा, राजा सोनी, जावेद जाफरी, छन्नू साहू, प्रशुन चंद्राकर, तुलसी देवदास, आशीष दीवान, अंजोर ठाकुर, सविता ठाकुर, एडिशन ठाकुर, आकाश चंद्राकर, दुर्गेश यादव, सेवाराम साहू आदि मौजूद रहे।

तस्करी के मामले में वाहन छोड़कर फरार दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले की पुलिस ने गांजा तस्करी के करीब ढाई महीने पुराने मामले में वाहन छोड़कर फरार हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मामले में आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस ने मामले को लेकर बताया कि 07 जनवरी 2026 को वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध सफेद रंग की एक्सयूवी 500 एमएच24एबी1947 गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन पुलिस को देखकर वाहन चालक ने तेजी से गाड़ी भगाने की कोशिश की, जिससे वाहन बसना सिटी ग्राउंड के गेट से जा टकराई। इसके बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 23 किलो 730 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। थाना बसना में मामले अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

इसके बाद प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना बसना तथा एएनटीएफ एवं सायबर महासमुंद टीम द्वारा सूक्ष्म विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपियों की तलाश हेतु तकनीकी विवेचना से संकलित डेटा का बारीकी से विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों से यह स्पष्ट हुआ कि उक्त वाहन नागपुर से ओडिशा के केसिंगा गई थी। सीडीआर विश्लेषण से तीन संदिग्ध मोबाइल नंबर प्राप्त हुए, जिनके आधार पर आरोपियों की लोकेशन नागपुर (महाराष्ट्र) में ट्रेस की गई। थाना बसना तथा एएनटीएफ पुलिस की टीम ने नागपुर में दबिश देकर मुख्य आरोपी और वाहन मालिक मोहम्मद अदनान पिता मोहम्मद अकरम अंसारी (25 साल) निवासी नागपुर तथा उसके साथी शेख इरशाद पिता शेख अबरार कुरैशी (20 साल) निवासी नागपुर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने अन्य साथियों (इसरायल पठान, आमिर खान और असमत खान) के साथ मिलकर ओडिशा के सप्लायर 'कांता' से गांजा खरीदकर नागपुर ले जा रहे थे। आरोपियों के कब्जे से अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। प्रकरण में फरार अन्य 04 आरोपियों की तलाश हेतु पुलिस टीम सक्रिय है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

गोष्ठी में राष्ट्रीय चेतना पर वक्ताओं ने रखें विचार, बसना में प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम

बसना। प्रमुखजन गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेम शंकर सिदार (मध्य क्षेत्र सह प्रचारक) ने संघ शताब्दी वर्ष का परिचय एवं संघ के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए कहा कि हमारा देश धन-धान्य, शास्त्र-शस्त्र से संपन्न होने के बावजूद गुलाम कैसे हुआ। वह 2000 साल में सभी देशों की आंतरिक स्थिति को व्यक्त करने वाले कुछ आंकड़े रखते हुए कहा कि सेमल हंटिंग नामक विद्वान ने 1750 ईस्वी में कहा था कि वर्ल्ड जीडीपी में भारत का शेयर 24 प्रतिशत था। किंतु, अंग्रेजों के आने के बाद यहां आर्थिक विपन्नता आई। संघ की विचारधारा को प्रारंभ करते समय डॉक्टर हेडगेवार के मन में भी यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठा कि यह विपन्नता क्यों आई? इसका कारण क्या है? इस पर उनका विचार था कि इसका पहला कारण देश की जनता में राष्ट्रीय चेतना का अभाव है। इस प्रकार डॉक्टर हेडगेवार के चिंतन को बताते हुए उन्होंने इसके दो भाग बताए। पहला या तो विदेशी आक्रांता शक्तिशाली थे, यह हो सकता है। दूसरा अपने लोगों में राष्ट्र प्रथम की भावना की कमी।

आगे उन्होंने राष्ट्रीय चेतना का अर्थ बताया कि राष्ट्र प्रथम या राष्ट्र के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकें। इसके लिए उन्होंने चित्तौड़ के पन्ना धाय के त्याग का उदाहरण दिया। जिसमें पन्नाधाय में अपने पुत्र का बलिदान राजा उदय सिंह को बचाने के लिए दिया। साथ में गुरु गोविंद सिंह के वीर पुत्रों का जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह का भी उल्लेख किया। उन्होंने आगे राष्ट्रीय चेतना का अर्थ बताते हुए कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति में मैं रहूं या ना रहूं यह देश रहना चाहिए के भाव होने चाहिए। आगे उन्होंने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के इंडिया विजन 2050 का उदाहरण देते हुए कहा कि आगे राष्ट्र को खड़े करने के लिए नागरिकों को अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन स्वाभाविक रूप से करना चाहिए। उन्होंने रॉकेट की खोज भारत में हुई। इसका उदाहरण सहित व्याख्या करते हुए एपीजे अब्दुल कलाम की एक घटना का उल्लेख किया। डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम ने बताया कि 1769 से 1800 तक मैसूर की सेना ने अग्नि तीरों का प्रयोग किया। जिससे अंग्रेजों को बहुत नुकसान हुआ। इन्हीं अंग्रेजों ने उनमें से कुछ तीरों को परिष्कृत कर और उन्नत अस्त्र बनाएं, जो आगे चलकर रॉकेट का रूप लिया। आगे उन्होंने बताया कि अपने पूर्वजों के कार्यों पर गर्व न करना आधीनता का कारण है। इस कार्य पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निरंतर कार्य कर रहा है।

हम सभी का उद्देश्य इस ग्लानि से समाज को बाहर निकलना है। 1932 में बालासाहेब देवरस का समरसता का एक उदाहरण दिया। जिसमें उन्होंने अपने घर की रसोई से समरसता के भाव का जागरण प्रारंभ किया। वर्धा के संघ शिक्षा वर्ग में गांधी, जमुनालाल बजाज के साथ आगमन पर उन्होंने देखा कि सभी लोग अपना परिचय हिंदू कहकर दे रहे थे। जबकि, उसमें से लगभग 30 प्रतिशत वंचित समाज के लोग थे। 1964 के कुंभ में साधु संतों एवं शंकराचार्य द्वारा संघ के प्रयास से यह कहा गया कि सभी हिंदू सहोदर हैं एवं छुआछूत गलत है। 1989 से 1992 तक संघ ने समाज में राम मंदिर आंदोलन के रूप में एक धार्मिक जागरूकता का कार्य किया, जो 2024 तक फलीभूत हुआ और आगे भी राष्ट्र में राष्ट्रीयता के उदय के भाव जागरण का कार्य सतत चल रहा है। शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन विषय पर भी बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिंदु समाज में समरसता जिससे समाज में जाति बंधन एवं छुआछूत की भावना दूर हो और उसका अपने चरित्र में आत्मसात करना आवश्यक है। दूसरा बिंदु कुटुंब प्रबोधन जिससे परिवार में सभी मिलजुल कर पूजा करें, भोजन करें एवं साथ में बैठकर विचार विमर्श करें, जो आगे एक दूसरे को जोड़ने में बहुत सहायक होता है। तीसरा बिंदु पर्यावरण संरक्षण का है। इसमें पानी का संरक्षण प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना एवं पेड़ों का संरक्षण एवं रोपण का आग्रह किया। चौथा बिंदु नागरिक शिष्टाचार जो कि कैसा जीवन हमारे देश में जीना है। सरकार ने जो नियम निर्धारित किए हैं, हमें उन नियमों का पालन करना चाहिए। जिससे देश आगे बढ़े। पांचवा बिंदु है, स्वदेशी का भाव। स्वदेशी का भाव है अपने चरित्र में स्वाभिमान का भाव जगे। हमें अपने देश में निर्मित चीजों का प्रयोग करना चाहिए एवं उसमें गर्व का अनुभव करना चाहिए। इस प्रकार संघ का एक आग्रह है कि व्यक्ति, परिवार, समाज, देश एवं दुनिया में पंच परिवर्तन का विचार लोगों में आए। सभी देश को प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठ बनाएं। ऐसा आग्रह है। कुरीतियों को समाप्त करने पर कार्य करना होगा।

खबर संक्षेप

मानवता की सेवा का पर्याय बनी मां खल्लारी रक्तदान सेवा समिति

महासमुंद। सेवा और समर्पण की मिसाल पेश करते हुए मां खल्लारी रक्तदान सेवा समिति क्षेत्र में रक्त की कमी से जूझ रहे जरूरतमंदों के लिए एक बड़ा सहारा बनकर उभरी है। सन 2023 में स्थापित हुई इस समिति ने अपने छोटे से सफर में अब तक 200 से ज्यादा दुर्घटना में घायल मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है। समिति की इस उपलब्धि के पीछे 376 से अधिक सक्रिय सदस्यों की एक विशाल टीम है, जो किसी भी आपात स्थिति में रक्तदान करने के लिए सदैव तत्पर रहती है।

समिति की नींव एक भावुक कर देने वाले व्यक्तिगत संघर्ष पर टिकी है। संस्थापक एवं अध्यक्ष संतोष कुमार छात्रे ने उस समय इस संस्था की कल्पना की थी, जब उनकी स्वयं की माता जी गंभीर रूप से बीमार थीं और उन्हें रक्त के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी थी। उस समय की पीड़ा और संघर्ष को महसूस करते हुए उन्होंने ठाना कि किसी भी अन्य बेटे या परिवार को रक्त के अभाव में ऐसी परिस्थिति का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य के साथ उन्होंने गर्भवती माताओं और जरूरतमंदों की सेवा के लिए इस विशेष अभियान की शुरुआत की। समिति की कार्यप्रणाली केवल रक्तदान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं में भी यह अग्रणी भूमिका निभा रही है।

समिति के सदस्य मुकेश तंबोली के नेतृत्व में समिति द्वारा निःशुल्क एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाएं संचालित की जा रही हैं, जो दुर्घटना के समय घायलों के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत रसोइयों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- गुणवत्तापूर्ण एवं पोषणयुक्त मध्यान्ह भोजन पर दिया गया विशेष जोर

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत विकासखंड बागबाहरा के रसोइयों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शासकीय अंग्रेजी माध्यम पूर्व माध्यमिक शाला भानपुर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में विकासखंड के विभिन्न प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के रसोइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी केके वर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन योजना विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास से सीधे जुड़ी एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन में रसोइयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने रसोइयों से भोजन निर्माण में स्वच्छता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। साथ ही बच्चों को सुरक्षित एवं स्नेहपूर्ण वातावरण में भोजन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामता मन्नाडे ने रसोइयों को भोजन निर्माण में व्यक्तिगत स्वच्छता, रसोई घर की साफ-सफाई, संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार की आवश्यकता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण एवं उपयोग तथा बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने फोर्टिफाइड चावल के उपयोग एवं उसके पोषण संबंधी लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि यह बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करने में सहायक है।

मास्टर ट्रेनर छोटू निषाद, पुष्पलता सोनकर एवं गीता साहू द्वारा प्रशिक्षण को व्यवहारिक स्वरूप देते हुए रसोइयों को भोजन बनाने की सही विधि, रसोईघर की स्वच्छता, गैस एवं अन्य ईंधन के सुरक्षित उपयोग तथा भोजन वितरण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र को संवादात्मक बनाते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भानपुर की प्रधानपाठक मोनिका चंद्राकर, संकुल समन्वयक गजानंद दीवान, मोहिंदर पांडे, देव सिन्हा, विजय साहू, लंबोदर नायक, वंदना साहू, खेमचंद चक्रधारी एवं बालक दास कोसरे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयोजन: समारोह में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

धीवर समाज कौड़िया परगना की वार्षिक आम सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोमाखान

छग धीवर समाज कौड़िया परगना की वार्षिक आम सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सामाजिक चर्चा-परिचर्चा के अलावा उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले समाज के छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। बताया गया है कि उक्त आयोजन नगर पंचायत तुमगांव के सामाजिक भवन में आयोजित किया गया। यह आम सभा प्रातः 10 बजे दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत प्रारंभ हुई तथा देर रात तक चली। स अवसर पर छग धीवर समाज महासभा के पदाधिकारियों, सदस्यों के अलावा विभिन्न परिक्षेत्रों के प्रमुख पदाधिकारियों एवं कौड़िया परिक्षेत्र के 34 ग्रामों के कुटुंबजन (डिवहारों) की उपस्थिति रही। पश्चात ग्राम व समाज के नन्हे स्कूली बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसे समाजजनों ने उनकी प्रस्तुतियों की प्रशंसा कर प्रोत्साहित भी किया।

वहीं कार्यक्रम के बीच-बीच में अतिथियों का स्वागत सम्मान भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बाद समाज के सचिव रेवाराम धीवर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए महासभा के पदाधिकारियों, सदस्यों की सहमति से सभा में प्रस्तुत किया। सचिव ने इस दौरान कहा कि महासभा में ऐसा पहली बार हुआ कि सामाजिक प्रकरणों का निराकरण दोपहर में किया गया, जो अभी तक किसी भी परगना क्षेत्र में ऐसा देखने नहीं मिला। तथा प्राप्त प्रकरणों का निराकरण महासभा के पदाधिकारियों द्वारा सूझबूझ से किया। कार्यक्रम में सामाजिक चर्चा-परिचर्चा के अलावा सामाजिक राशि जमा व वितरण कार्यक्रम देर रात्रि तक चला।

प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान

कार्यक्रम में समाज के छात्र-छात्राओं जिन्होंने वर्ष 2024-25 के दौरान 5वीं, 8वीं, 10वीं तथा 12वीं में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वालों का महासभा के पदाधिकारियों ने प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाली समाज की महिलाओं का भी सम्मान किया गया। बहरहाल, कार्यक्रम में महिलाओं, पुरूषों, युवाओं की उपस्थिति रही। इस वार्षिक बैठक में विभिन्न परिक्षेत्रों में प्रमुख रूप से कोटनी, मांढर, राजिम, अभनपुर, रायपुर, भिलाई-तीन, आरंग, महासमुंद समेत रायखेड़ा आदि के साथ आईटी टीम रायपुर की भी उपस्थिति रही। संचालन धर्मेन्द्र धीवर एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त सचिव रेवाराम धीवर ने किया।

हाईस्कूल की बाउंड्री वॉल तोड़कर अवैध कब्जा

खेल मैदान में रखी जा रही निर्माण सामग्री

सरायपाली। शासकीय हाईस्कूल बलौदा में शासकीय संपत्ति के अतिक्रमण का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार स्थानीय ईंट भट्ठा व्यापारी द्वारा स्कूल की बाउंड्री वॉल को तोड़कर अपने घर तक जाने के लिए अवैध रास्ता बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, संबंधित व्यक्ति द्वारा विद्यालय के खेल मैदान में ही निर्माण सामग्री जैसे रेत एवं गिट्टी का भंडारण किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों के खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही है। विद्यालय प्रबंधन, गांव के युवा खिलाड़ियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। ग्रामीणों की मानें तो यह न केवल शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। समिति एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा स्कूल परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए बाउंड्री वॉल का पुनर्निर्माण जल्द से जल्द कराया जाए।

मां कर्मा देवी जयंती पर समाज को एकजुट रहने का किया आह्वान

महासमुंद। ग्राम चिरको में मां कर्मा देवी की जयंती मनाई गई। जिसमें राष्ट्रीय तेलीकर्मा सेना के संस्थापक व भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशवंत तुषार साहू शामिल हुए। इस मौके पर तुषार ने मां कर्मा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया। तुषार ने बताया कि मां कर्मा बचपन से ही भगवान कृष्ण की अनन्य भक्त थीं और उन्हें खिचड़ी का प्रसाद अर्पित करती थीं, जो आज भी आस्था का प्रतीक माना जाता है। आगे कहा कि मां कर्मा समर्पण की देवी हैं। मां कर्मादेवी देश-विदेश में सर्व साहू, तेली समाज की आराध्य देवी कर्मा बाई की गौरव गाथा जन-जन के मानस में श्रद्धा भक्ति के भाव से विगत हजारों वर्षो से चली आ रही है। इनका जन्म संवत 1073 सन 1017 ई में पाप मोचनी एकादशी पर हुआ था, मां कर्मा देवी के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। तुषार ने युवाओं से शिक्षा को जीवन का आधार बनाने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। आगे कहा कि आने वाले वर्षों में मां कर्मा देवी की जयंती को और अधिक भव्य व व्यापक रूप से मनाया जाएगा। समाज का संगठित होकर संगठन को मजबूत बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व परिक्षेत्र अध्यक्ष जवाहर साहू, संरक्षण नंदकुमार साहू, ग्रामीण अध्यक्ष तामराज साहू, योगेश साहू, सुरेश साहू, मोहित साहू आदि मौजूद रहे।

धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को नई दिशा में हुआ शक्तिपीठों का नवोदय, पर्यटन को नवीन आयाम: येतराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित शक्तिपीठ परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रमुख देवी स्थलों का व्यापक विकास एवं कायाकल्प किया जा रहा है। यह पहल न केवल श्रद्धालुओं की आस्था को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय मानचित्र पर एक सशक्त धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मां दंतेश्वरी (दंतेवाड़ा), मां बम्लेश्वरी (डोंगरगढ़), मां चंद्रहासिनी (चंद्रपुर), मां महामाया (रतनपुर) एवं मां सर्वमंगला (कोरबा) जैसे प्रमुख शक्तिपीठों का समग्र विकास किया जा रहा है। इन स्थलों पर मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं का विस्तार, पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, विश्राम स्थल, प्रसाद वितरण केंद्र एवं सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुखद अनुभव प्राप्त हो सके।

भाजपा जिला अध्यक्ष येतराम साहू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना केवल धार्मिक आस्था का सम्मान नहीं है, बल्कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि शक्तिपीठों के उन्नयन से जहां एक ओर लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। छोटे व्यापारियों, हस्तशिल्पियों, होटल व्यवसाय एवं परिवहन सेवाओं को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोक आस्था और धार्मिक महत्व को देश-विदेश तक पहुंचाने में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। बेहतर आधारभूत संरचना और आकर्षक व्यवस्थाओं के कारण प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि होगी, जिससे छत्तीसगढ़ की पहचान एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी।

जिलाध्यक्ष साहू ने विश्वास जताया कि इस प्रकार की जनहितैषी और दूरदर्शी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा आस्था और आधुनिकता का संतुलित संगम स्थापित करते हुए छत्तीसगढ़ एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरेगा।

पालिकाध्यक्ष ने किया रंगमंच निर्माण के लिए भूमिपूजन

अध्यक्ष निधि की 5 लाख रुपए से होगा निर्माण, वार्ड 7 व 8 के मध्य बनेगा रंगमंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नयापारा वार्ड क्रमांक 7 एवं 8 के मध्य स्थित चौक पर संतोषी मंदिर के समीप अब सुसज्जित रंगमंच का निर्माण किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने दोनों वार्ड के पार्षदों व नागरिकों की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। वार्डवासियों की मांग पर उक्त रंगमंच के लिए पालिका अध्यक्ष साहू ने अध्यक्ष निधि से 5 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। भूमिपूजन पश्चात नपाध्यक्ष ने कहा कि वार्ड में रंगमंच की सौगात मिलने से कार्यक्रम, आयोजन कराने में सुविधा मिलेगी। हमारा प्रयास शहर वासियों को मूलभूत तथा आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा ने निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान वार्ड 07 के पार्षद मुस्ताक खान, 08 के पार्षद जरीना हाफिज कुरैशी ने भी संबोधित किया। सभापतिगण ज्योति रिंकू चंद्राकर, ईश्वरी संजय भोई, जितेंद्र देवनारायण ध्रुव, सूरज नायक, गुलशन साहू, पार्षद ओमीन तोमन कागजी, सीता टोंडेकर, कल्पना सूर्यवंशी, भाऊ राम साहू, पीयूष साहू, धनेंद्र चंद्राकर, चंद्रशेखर बेलदार, मुन्ना देवार, राहुल आवड़े तथा वार्डवासी सुनीता साहू, शिवकुमारी औसर, शुभ्रा तंबोली, लक्की पटेल, दीप्ति औसर, उषा ठाकुर, अनिता सोनी, सुनैती पटेल, कुमारी पटेल, अमतिमा औसर, जिज्ञासा औसर, दुर्गा बघेल, अहिल्या चंद्राकर, सरिता भोसले, निर्मला साहू, सुमन भोसले, श्रद्धा भोसले, अनुराधा भोसले आदि उपस्थित रहे।

भाजपा के मंडल स्तरीय प्रशिक्षण महाअभियान में शामिल हुए विपिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरायपाली

प्रशिक्षण महाभियान

भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने और कार्यकर्ताओं के वैचारिक सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से स्थानीय अग्रसेन भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र विपिन उपोवेजा विषेश रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। भक्तिमय वातावरण में भगवान की पूजा-अर्चना के साथ शिविर का विधिवत श्रीगणेश हुआ।

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंका। उन्होंने अपने उद्बोधन के मुख्य अंशों में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन अंत्योदय पर आधारित था, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उदय। हमारी सरकार और संगठन का एकमात्र लक्ष्य गरीब कल्याण और पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को केवल एक राजनीतिक दल का सदस्य बनकर नहीं, बल्कि एक सजग अनुशासित सिपाही के रूप में कार्य करना है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य हमारे कार्यकर्ताओं को दिया। राष्ट्र प्रथम का मंत्र कार्यपद्धति को और अधिक प्रभावी बनाना है। ताकि, हम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर सके। उपोवेजा ने बल देते हुए कहा कि आने वाले समय की चुनौतियों को देखते हुए हमें बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करनी होगी। प्रत्येक कार्यकर्ता को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर घर तक पहुंचानी है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। अपने संबोधन के समापन में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपनी कार्यशैली में शालीनता और सेवा भाव रखें। भाजपा एक कैडर आधारित पार्टी है, जहां व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश होता है।

जयंती पर लोहिया के समाजवादी विचारों को किया स्मरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर शहर के लोहिया चौक में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, लोहियावादी कार्यकर्ता एवं नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने लोहिया के समाजवादी विचारों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. लोहिया ने सामाजिक समानता, आर्थिक न्याय एवं अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके विचार समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं और हमें जनसेवा के लिए सतत प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू का लोहिया चौक के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मान किया गया। समाजवादी विचारधारा से प्रेरित वरिष्ठजनों द्वारा उन्हें श्रीफल एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मान करने वालों में दाऊलाल चंद्राकर, दिलीप कौशिक, राजेश्वर खरे, नारायण नामदेव एवं शाहबाज राजवानी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने इस चौक के सौंदर्यीकरण के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जनहितकारी कार्य आगे भी निरंतर होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की सोच एवं अपेक्षाओं के अनुरूप शहर के विकास के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आपका सहयोग और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और हम सब मिलकर नगर को एक बेहतर, सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम में सभापति ज्योति रिंकू चंद्राकर, ईश्वरी संजय भोई, पार्षद ओमन टोमन कागजी, मुन्ना देवार एवं जितेंद्र ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनका पुष्पमाला भेंट कर सम्मान किया गया।

श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण के लिए आज जामली व लाखागढ़ एवं कल नवागांव एवं उखड़ा में लगेगा शिविर

महासमुंद। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत एवं पात्र श्रमिकों के पंजीयन एवं नवीनीकरण के लिए जिले में मोबाइल कैंप शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 16 मार्च से 30 अप्रैल 2026 तक जिले के विभिन्न विकासखंडों के नगरीय निकायों, वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में इस सप्ताह विभिन्न विकासखंडों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। 24 मार्च को विकासखंड महासमुंद के ग्राम जामली तथा विकासखंड पिथौरा के ग्राम लाखागढ़ में शिविर लगाए जाएंगे। वहीं 25 मार्च को विकासखंड बसना के ग्राम नवागांव, विकासखंड बागबाहरा के ग्राम उखड़ा एवं विकासखंड सरायपाली के ग्राम भुथिया में मोबाइल कैंप आयोजित होगा। इसके अलावा 27 मार्च को विकासखंड महासमुंद के ग्राम लाफिन कला एवं विकासखंड पिथौरा के ग्राम मोहंदा में भी श्रमिक पंजीयन के लिए शिविर लगाया जाएगा।

HEALTH TOWN
DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
>वात रोग >घुटने के दर्द >पीठ व कमर दर्द >स्पॉन्डिलाइटिस >लिगामेंट के दर्द
>साइटिका >गोल्फ एल्बो >फ्रोजन शोल्डर >शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
मलद्वार संबंधित सभी बीमारियों का इलाज
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

मचेवा में स्वच्छता अभियान व पूर्व सैनिक सम्मान कार्यक्रम हुआ

महासमुंद। माय भारत (मेरा युवा भारत) के तत्वावधान में स्वान यूथ क्लब द्वारा शहीद दिवस एवं श्रम दिवस पर ग्राम मचेवा में स्वच्छता अभियान एवं पूर्व सैनिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से पूर्व सैनिक बलदेव प्रसाद मिश्रा (66 फील्ड रेजिमेंट, पश्चिमी पाकिस्तान में पदस्थ) का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम मचेवा के सरपंच एवं उपसरपंच मौजूद रहे। महर्षि विद्या मंदिर के सुभाष पांडे (योग गुरु) एवं विद्यालय के छात्रों ने भी स्वच्छता अभियान में शामिल हुए।

एक मंच, एक प्रणाली भर्ती में अब पूरी पारदर्शिता: निधि

महासमुंद। छत्तीसगढ़ विधानसभा में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 के पारित होने पर जनपद सदस्य निधि लोकेश चंद्राकर ने राज्य सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक प्रदेश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। निधि ने कहा कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता को लेकर जो सवाल उठते रहे हैं, उन्हें दूर करने का काम यह नया चयन मंडल करेगा।

रोपवे हादसे में आहत व मृतक के परिवारों को मुआवजा दे सरकार

महासमुंद। खल्लारी में रोपवे टूटकर गिरने से हुए दुःखद हादसे पर संवेदना व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई कर मृतक के परिजनों व घायलों को मुआवजा प्रदान करने की मांग सरकार से की है। नपाध्यक्ष ने मांग की है कि मृत महिला के परिवार को 1 करोड़ तथा घायलों को 20-20 लाख रुपए मुआवजा राशि प्रदान कर शोकाकुल व आहत परिवार को राहत पहुंचाने की कार्रवाई सरकार को करनी चाहिए। साथ ही रोपवे संचालन कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर कंपनी के मुख्य अधिकारी व लापरवाही कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नपाध्यक्ष ने कहा कि माता के दर्शन के लिए लगाए गए रोपवे में भारी भरकम निर्माण सामग्रियों की ढुलाई कराए जाने की जानकारी भी मिली है। यह अत्यंत लापरवाही पूर्ण कृत्य है, भारी भरकम सामग्री ऊंचे पहाड़ी पर रोपवे के माध्यम से पहुंचाने के कारण रोपवे के केबल की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ा। जिसका परिणाम हादसे के रूप में सामने आया है।

विश्व जल दिवस पर मुंगई माता मंदिर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जागरुकता के लिए चलाया गया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झलप

- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगभग 1200 फुट लोहे के पाइप के माध्यम से पेयजल व्यवस्था

ग्रीन संरक्षणम पीपल फाउंडेशन द्वारा मनोरमा इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के सीएसआर सहयोग से 22 मार्च 2026 को विश्व जल दिवस पर मुंगई माता मंदिर परिसर एवं आसपास के पहाड़ी/वन क्षेत्र में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जागरुकता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य मंदिर परिसर को स्वच्छ रखना, पर्यावरण की सुरक्षा करना और लोगों में जागरूकता फैलाना था।

अभियान के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के पहाड़ी क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। धार्मिक एवं गैर-जैविक कचरे, विशेषकर प्लास्टिक को अलग-अलग एकत्रित कर उसका उचित निपटान किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगभग 1200 फुट लोहे के पाइप के माध्यम से पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहयोग किया गया। साथ ही मंदिर परिसर और रास्तों में डस्टबिन लगाए गए। इसके अलावा पोस्टर, बैनर और संवाद के माध्यम से लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के बाद मंदिर परिसर में प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने के लिए भी प्रयास किए गए। इस अभियान में लक्ष्य फाउंडेशन के लगभग 30 स्वयंसेवकों सहित कुल 70 से 80 स्वयंसेवकों और ग्रामवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

Environment Conservation Campaign

कार्यक्रम का संचालन करते हुए फाउंडेशन के डायरेक्टर शशिकांत गुप्ता ने अभियान के उद्देश्य और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मनोरमा इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर गौतम पाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज और पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी हैं और कंपनी आगे भी ऐसे प्रयासों में सहयोग करती रहेगी। सीएसआर हेड विकास यादव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना और स्वच्छता को बढ़ावा देना है। जिला महासमुंद के पूर्व विधायक डा विमल चोपड़ा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता हम सभी की जिम्मेदारी है।

मुंगई माता विकास सेवा समिति के अध्यक्ष तारेन चंद्राकर ने सभी का धन्यवाद करते हुए इस अभियान को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। अंत में फाउंडेशन के संस्थापक दया बाकरे ने सभी अतिथियों, सहयोगियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर फाउंडेशन के सचिव आशुतोष यादव, मुंगई माता विकास सेवा समिति के सचिव योगेश सिन्हा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजिम पर्यावरण प्रमुख दानेश्वर साहू, विहिप बजरंग दल जिला संयोजक गीतेश पंडा, बजरंगदल जिला सहसंयोजक दुर्गेश यादव तथा दुर्गेश पटेल, सतीश मारकंडे, सागर ध्रुव सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। ग्रीन संरक्षणम पीपल फाउंडेशन ने यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर चलाए जाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता बनी रहे।

विडंबना : निर्माणाधीन नहर में कार्य पूर्ण होने से पहले पड़ीं दरारें

14.89 करोड़ के देवगांव जलाशय लाइनिंग में भारी अनियमितता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

क्षेत्र के देवगांव जलाशय योजना में 14 करोड़ 89 लाख 12 हजार रुपए की लागत से निर्माणाधीन नहर में कार्य पूर्ण होने से पहले ही सैकड़ों स्थानों पर बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई हैं।

मिली जानकारी अनुसार देवगाँव जलाशय से लगभग 17 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर एवं 4-4 किलोमीटर की दो लिंक नहर (कुल 8 किमी) सहित करीब 25 किलोमीटर क्षेत्र में सीसी लाइनिंग का कार्य किया जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते महज 6 माह के भीतर ही लाइनिंग की गुणवत्ता उजागर हो गई। हाल ही में रायपुर से पहुंची क्वालिटी कंट्रोल टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर बड़े-बड़े दरारें पाए जाने पर संबंधित हिस्सों को तोड़ने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्माण में उपयोग हो रहे रेत को भी मिट्टीयुक्त और गुणवत्ताविहीन पाए जाने पर उसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया। क्वालिटी कंट्रोल टीम के निर्देशों के बावजूद ठेकेदार द्वारा सभी चिन्हित हिस्सों को नहीं तोड़ा गया है, बल्कि कुछ जगहों को तोड़कर केवल औपचारिकता निभाया गया। जबकि कई स्थानों पर बड़ी दरारों को सीमेंट डालकर भरने की कोशिश की गई है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह कार्य मेसर्स गणपति कंस्ट्रक्शन, रायपुर द्वारा किया जा रहा है। गौरतलब है कि यह परियोजना अभी पूर्ण भी नहीं हुई है और कार्य प्रगति पर है, बावजूद इसके इतनी जल्दी खामियां सामने आना निर्माण कार्य की पारदर्शिता और गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र के किसानों में भी भारी नाराजगी देखी जा रही है।

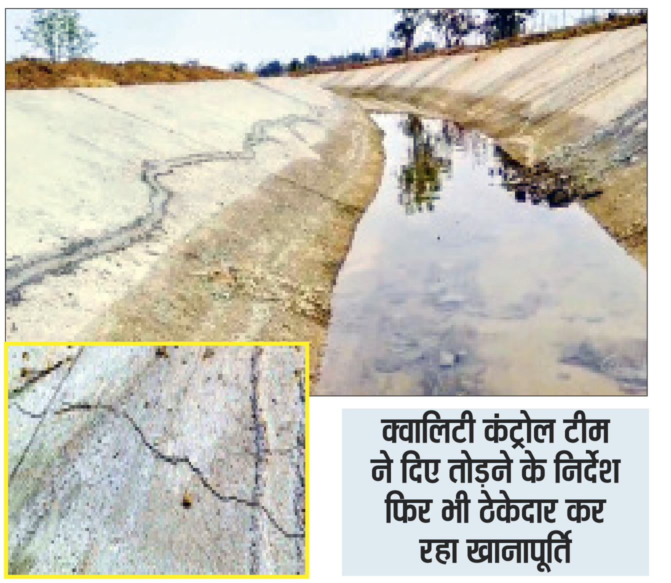

क्वालिटी कंट्रोल टीम ने दिए तोड़ने के निर्देश फिर भी ठेकेदार कर रहा खानापूर्ति

किसानों का कहना है कि जिस उद्देश्य से इस परियोजना को शुरू किया गया था, वह समय पर और सही गुणवत्ता के साथ पूरा नहीं हुआ तो आने वाले समय में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होगी। उन्होंने मांग की है कि निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि यह परियोजना भ्रष्टाचार के भेंट न चढ़े। किसानों का कहना है कि करोड़ों रुपए की इस योजना में यदि समय रहते गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की गई, तो सरकारी धन की बड़ी हानि के साथ किसानों का भरोसा भी टूटेगा। इस संबंध में जल संसाधन विभाग पिथौरा के एसडीओ लीलाधर रैकवार का कहना है कि अनुबंध के अनुसार नहर लाइनिंग का रखरखाव 3 वर्षों तक ठेकेदार द्वारा किया जाएगा। मंगलवार को मैं स्वयं कार्यस्थल का निरीक्षण करूंगा।

भाजपा की डबल इंजन सरकार में विद्युत उपभोक्ता को कोई राहत नहीं : रश्मि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में विद्युत उपभोक्ता को कोई राहत नहीं, बल्कि ठगने का काम किया जा रहा है। आगे डॉ रश्मि चंद्राकर ने बताया कि बिजली बिल से राहत पाने के लिए लॉग अपने घर में पीएम सूर्य घर योजना से अपने घर के छत पर सोलर सिस्टम लगवाया जा रहा है, लेकिन लो वोल्टेज के चलते सोलर से कोई बिजली उत्पादन नही हो रहे हैं।

सोलर सिस्टम लगवाने वाले पिथौरा विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का कहना है बिजली विभाग द्वारा 180 वॉट से कम बिजली दिया जा रहा है, जिससे सोलर सिस्टम लगवाने वाले उपभोगता अपने आप को ठगी का शिकार हो गए हैं और कर्ज में फंस गए हैं। वही बागबाहरा के विद्युत उपभोक्ता को सोलर सिस्टम लगाने के बावजूद भी भारी भरकम बिजली बिल पटाने के लिए लोक अदालत का नोटिस मिला है। आगे डॉ रश्मि ने कहा है कि एक तरफ यह सरकार आम जनता को राहत देने के बजाय बिजली के दामों में 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार (एमपीपीएस) के रूप में अतिरिक्त चार्ज लगा दी है। दूसरी तरफ समाधान योजना का ढोल पीटकर केवल पुराने बकायादारों के बिलों पर सरचार्ज में शत प्रतिशत और मूल राशि में 75 प्रतिशत की मामूली राहत को मास्टर स्ट्रोक बताने केवल विज्ञापनबाजी कर रही है।

माता खल्लारी के दरबार में आस्था के साथ खिलवाड़ क्यों: निधि

महासमुंद। खल्लारी माता के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ हुए दर्दनाक हादसे पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए निधि लोकेश चंद्राकर ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जिस रोपवे को केवल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाया गया था, उसका इस्तेमाल भारी पत्थर, बोल्डर, रेत और सीमेंट की बोरियां ढोने के लिए किया जा रहा था। निधि लोकेश चंद्राकर ने सवाल करते हुए कहा कि क्या रोपवे की ट्रॉली और केबल भारी निर्माण सामग्री ढोने के लिए डिजाइन की गई थी? श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ताक पर रखकर रोपवे का व्यावसायिक उपयोग किसके इशारे पर हो रहा था? नियमित जांच और सुरक्षा ऑडिट में इतनी बड़ी कोताही कैसे बरती गई? यह सिर्फ एक तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से मानव-जनित लापरवाही है। प्रबंधन और प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई, जिसका नतीजा एक महिला की मृत्यु और 16 लोगों के घायल होने के रूप में सामने आया है।

तुमगांव स्कूल में छात्रों को कराया न्योता भोज

महासमुंद। शासकीय बालक प्राथमिक शाला तुमगांव में विधायक प्रतिनिधि राकेश तिवारी ने अपने जन्मदिन पर छात्रों को न्योता भोज कराया। छात्र-छात्राओं को खीर और पूड़ी का वितरण किया गया। बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ भोजन ग्रहण किया और इस आयोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख संगीता रात्रे, शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू, बलराम नेताम, द्वारिका साहू, प्रभा कोसले, भागवती यादव, चमारिन यादव, रेवती पटेल एवं लुकेश्वरी धीवर उपस्थित रहे।

बिरकोनी के युवाओं ने निरई माता की पूजा-अर्चना कर की सुख-समृद्धि की कामना

बिरकोनी। चैत्र नवरात्रि की चतुर्थ तिथि पर जय भोले के सदस्यों ने निरई माता का दर्शन कर ग्राम की सुख समृद्धि की कामना की। गरियाबंद जिला के पांडुका में प्रसिद्ध डोंगरी में स्थित निराई माता दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कलीराम निषाद ने विधिवत पूजा-अर्चना कर ग्राम की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। योगेश साहू ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार चंदन लगाकर एवं चुनरी चढ़ाकर श्रद्धापूर्वक माता का नमन किया। सर्वप्रथम ग्राम की कुल देवी की पूजा अर्चना कर यात्रा प्रारंभ किया। जिसमें कचना ध्रुवा के बाद निराई माता, भूतेश्वर महादेव, पिटई पाठ में माथा ठेककर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कली राम निषाद, नारायण यादव, हीरा साहू, योगेश साहू, जुगेश यादव, भुलाऊ निषाद, युगल, भुखन, राहुल उपस्थित रहे।

पीएम जनमन योजना से खल्लारी के 11 कमार परिवारों के 26 सदस्यों को मिले आधार, राशन कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के ऐतिहासिक स्थल खल्लारी, जो मां खल्लारी और भगवान जगन्नाथ की आस्था से ओतप्रोत है, प्राचीन काल में रायपुर के कल्चुरियों की राजधानी के रूप में भी प्रसिद्ध रहा है। समृद्ध इतिहास और धार्मिक महत्व के बावजूद इस गांव में निवासरत कमार जनजाति के कई परिवार वर्षों से मूलभूत सरकारी सुविधाओं से वंचित थे। आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे, जिससे उनका जीवन संघर्षपूर्ण और भविष्य अनिश्चित बना हुआ था।

स्थिति में परिवर्तन तब आया जब प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत विशेष अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य ऐसे वंचित एवं दस्तावेज़विहीन परिवारों को चिन्हित कर उन्हें शासन की मुख्यधारा से जोड़ना था। ग्राम खल्लारी में किए गए सर्वेक्षण के दौरान 11 कमार परिवारों के 26 ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई, जिनके पास कोई भी वैध शासकीय दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। इसके पश्चात संबंधित विभाग की टीम ने पूर्ण संवेदनशीलता, जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य प्रारंभ किया। प्रत्येक व्यक्ति के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान जानकारी के अभाव, आवश्यक प्रमाणों की कमी तथा ग्रामीणों की प्रारंभिक झिझक जैसी कई चुनौतियां सामने आईं, किंतु टीम के धैर्य एवं सतत प्रयासों से सभी

- कमार जनजाति के कई परिवार मूलभूत सुविधाओं से थे वंचित

समस्याओं का प्रभावी समाधान किया गया। कम समय में ही सभी 26 व्यक्तियों के आवश्यक दस्तावेज तैयार कर लिए गए, जिससे वे शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र बन गए। इसके साथ ही सभी चिन्हित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के आवास स्वीकृत किए गए। आवास निर्माण के दौरान परिवार के सदस्यों ने मनरेगा के तहत कार्य करते हुए मजदूरी के माध्यम से आय अर्जित की, जिससे उन्हें आर्थिक संबल भी प्राप्त हुआ। साथ ही इन परिवारों के साक्षर सदस्यों को जिला मुख्यालय में शासकीय सेवाओं में अवसर भी प्रदान किए गए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। लाभान्वित महिला बहरई कमार ने बताया कि पूर्व में शौचालय के अभाव में उन्हें खुले में शौच के लिए जाना पड़ता था, जिससे असुविधा एवं असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित घर में नल युक्त शौचालय की सुविधा मिलने से उनके जीवन में गरिमा, सुरक्षा एवं सहजता आई है। इसी तरह लाभान्वित हितग्राही सोनऊ कमार एवं उमेश कमार ने बताया कि पूर्व में सीमित संसाधनों के कारण जीवनयापन अत्यंत कठिन था, किन्तु अब शासकीय नौकरी मिलने से परिवार को स्थायित्व एवं सुरक्षा प्राप्त हुई है। उनके बच्चे अब अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं। आज खल्लारी गांव के ये सभी परिवार पहले की अपेक्षा अधिक आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

मिश्रित मत्स्य एवं झींगा पालन से दुर्गा समिति को मिल रही साढ़े तीन लाख की वार्षिक आय

दिए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और योजनाओं से मिली सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जय माँ दुर्गा मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित किशनपुर को मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं के तहत मिली सहायता ने उनके कार्य को नई दिशा दी है। इस सहायता से आज समिति द्वारा तीन गुणा अधिक आय अर्जित किया जा रहा हैं। इस समिति में कुल 24 सदस्य हैं, जिनमें 11 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। विगत 20 वर्षों से यह समिति मत्स्य पालन के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है तथा इसके पास 31.59 हेक्टेयर जलाशय और 3.50 हेक्टेयर तालाब का जलक्षेत्र उपलब्ध है, जिसका सुनियोजित उपयोग कर समिति ने प्रगति हासिल की है।

समिति सदस्य बताते है कि उनका जीवन पहले काफी संघर्षपूर्ण था, जहां उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती और मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित संसाधनों के कारण उनकी वार्षिक आय लगभग 36 हजार रुपये ही थी, जिससे परिवारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। लेकिन समय के साथ मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और योजनाओं से जुड़कर समिति ने मत्स्य पालन को अपनाया और धीरे-धीरे अपनी स्थिति में सुधार लाना शुरू किया। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं उनके कार्य को नई दिशा दी। जाल, आइस बॉक्स, मत्स्य बीज, सीफेक्स, झींगा बीज तथा मोटरसाइकिल अनुदान जैसी सुविधाओं ने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में भूमिका निभाई। विभागीय अधिकारियों के निरंतर प्रोत्साहन और सफल मत्स्य पालकों से मिली प्रेरणा ने समिति के सदस्यों का मनोबल मजबूत किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समिति ने पारंपरिक पद्धतियों को छोड़कर आधुनिक तकनीकों को अपनाया, जिसमें मिश्रित मत्स्य पालन, उन्नत बीजों का उपयोग, परिपूरक आहार और वैज्ञानिक तरीके शामिल हैं। इन नवाचारों के परिणामस्वरूप उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जहां पहले लगभग 7 क्विंटल उत्पादन होता था, वहीं अब यह बढ़कर 21 क्विंटल तक पहुंच गया है। साथ ही झींगा पालन को अपनाने से अतिरिक्त आय के नए स्त्रोत भी विकसित हुए, जिससे कुल आय में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई और वार्षिक आय लगभग 3 लाख 40 हजार रुपये तक पहुंच गई। मत्स्य पालन से जुड़े रहने के कारण समिति के सदस्यों के जीवन स्तर में अधिक बदलाव आया है।

पहले जहां आर्थिक तंगी के कारण दैनिक जीवन प्रभावित होता था, वहीं अब परिवारों की स्थिति सुदृढ़ हुई है। कच्चे मकानों को पक्के मकानों में परिवर्तित किया गया, सदस्यों ने मोटरसाइकिल जैसी सुविधाएं प्राप्त कीं और नियमित बचत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए समिति के नाम से बैंक खाते में राशि जमा करना शुरू किया गया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समिति को मजबूती प्रदान की है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला है।

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 13,500/
By Train रिजर्वेशन कोच
23 जून, 7 जुलाई, 21 जुलाई, 04 अगस्त 2026 (11 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
अमरनाथ यात्रा
बाबा अमरनाथ, माता वैष्णव देवी, श्रीनगर
राशि:-स्लीपर 13,500/-, 3 एसी 22,500/-, 2 एसी 25,500/-(+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411